**27th November, 2020**

**NEWLY CONTRUCTED BIOTECHNOLOGY LABOTATORY INAUGURATION**
**11:30-11:50AM**
**Venue: IBSBT building, CSJMU, Kanpur**

**SYMPOSIUM, MOU AND FELICITATION**
**'National Education Policy 2020: Promoting Quality Research and Innovation in Higher Education'**
Venue: Centre for Academics, CSJMU, Kanpur

## BIOTECHNOLOGY LABORATORY INAUGURATION

# कौशल विकास से प्रगति को मिलेगी रफ्तार

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

सीएसजेएमयू में शुक्रवार को ' नई शिक्षा नीति' पर आयोजित सेमिनार में वक्ताओं ने कहा कि इसके प्रावधानों से कौशल विकास को वढ़ावा मिलने से देश की प्रगति को रफ्तार मिलेगा। ऑफलाइन व ऑनलाइन मिश्रित मोड में आयोजित सेमिनार में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) मोनिका एस.गर्ग सहित प्रख्यात शिक्षाविदों ने भागीदारी की। मोनिका एस. गर्ग ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करना भारत सरकार का वड़ा लक्ष्य है। कोविड-19 काल में ऑनलाइन शिक्षा की दिशा में किये गये प्रयासों के लिए उन्होंने प्रदेश विवि शिक्षकों की सराहना की।

चित्रकूट विवि के कुलपति प्रो.एनसी गौतम ने कहा कि वर्तमान समय परिवर्तन का है। इसमें नई शिक्षा नीति वहुत महत्वपूर्ण होगी। इसमें कौशल विकास पर जोर से राष्ट्र तेजी से विकास की राह पर वढ़ेगा। नई शिक्षा नीति में रिसर्च एवं इनोवेशन के माध्यम से नयेन्नये कौशल के आयाम मिलेंगे।

विवि कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने संस्थान को प्रगति पथ पर अग्रसर वताते हुए कहा कि हमारा प्रयास है कि समयन्समय पर छात्रों के लिए नये प्लेटफार्म प्रदान करते रहें। विवि के आईक्यूएसी की पहल पर प्रो. अंशु यादव व डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा के संयोजन में संपन्न कार्यक्रम का तकनीकी संचालन डॉ. संदेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विवि रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार यादव, वित्त अधिकारी डॉ. संजय स्वर्णकार, डीन लाइफ साइंस प्रो. नंदलाल, प्रो. वर्षा गुप्ता, प्रो. मुनेश कुमार, प्रो. मुकेश रंगा,आईक्यूएसी कोआर्डिनेटर प्रो. सुधांशु पांडया, डॉ. संदीप सिंह, प्रो. सुविज्ञा अवस्थी सहित अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे।

सीएसजेएमयू में 'नई शिक्षा नीति' पर मंथन

## जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अत्याधुनिक बॉयोटेक लैब का उदघाटन

विवि के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में शुक्रवार को अत्याधुनिक वायोटेक लैव का उद्घाटन भी संपन्न हुआ। उद्घाटन विवि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता व चित्रकूट विवि के कुलपति प्रो. एनसी गौतम ने किया। प्रो.एनसी गौतम ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि यह प्रयोगशाला वायोटेक क्षेत्र में वैश्विक भूमिका निभा कानपुर व देश का नाम रोशन करेगी।

## रिसर्च-इनोवेशन के लिए तीन संस्थानों से एमओयू

सीएसजेएमयू में शुक्रवार को रिसर्चइनोवेशन कार्य को वढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन वड़े संस्थानों के साथ एमओयू भी किया गया। जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकात्ता, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इस एन्वायरोनमेंटल हेल्थ भोपाल तथा डॉ. हरी सिंह गौर विवि सागर (मप्र) के साथ एमओयू साइन किया गया। एमओयू पर जेडएसआई कोलकात्ता के डायरेक्टर डॉ.कैलाश चन्द्र, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च इन एन्वायरोन्मेंटल हेल्थ भोपाल डायरेक्टर प्रो. आरआर तिवारी व डॉ.हरी सिंह गौर केन्द्रीय विवि की कुलपति प्रो.जनक दुलारी व रजिस्ट्रार संतोष सोहगौर ने इस परस्पर सहयोग से सीएसजेएमयू के विद्यार्थियों को हमारे साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में रिसर्च का मौका मिलेगा। एमओयू पर सीएसजेएमयू रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार यादव व संवंधित संस्थानों के जिम्मेदारों ने हस्ताक्षर किये।

देश की प्रगति में विज्ञान की अहम भूमिका है। भारत विकासशील से विकसित की दिशा में प्रयासरत है जिसमे देश के शिक्षा संस्थानों का महत्वपूर्ण भूमिका है। उ0प्र0 में शिक्षा एवं विज्ञान के क्षेत्र में सी0एस0जे0एम0वि0वि0, कानपुर हमेशा से प्रयासरत है। इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेन्श सेल के द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 पर आॅफ लाइन एवं आॅन लाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही देश के तीन बड़े शिक्षा एवं रिसर्च संस्थानों के मध्य मेमोरेण्डम आॅफ अन्डरस्टैन्डिंग साइन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो0 एन0सी0 गौतम ने इस प्रयास की सराहाना करते हुए कहा यह प्रयोगशाला यहाॅ छात्रों के वैश्विक विकास में एक बड़ा प्रयास है तथा पूरे विश्व में कानपुर एवं देश का नाम रोशन करेगी।

# SYMPOSIUM ON NEP-2020

## नई शिक्षा नीति देगी छात्रों को रोजगार : मोनिका गर्ग

जासं, कानपुर : नई शिक्षा नीति छात्रों के लिए सफलता का मंच बनकर सामने आएगी। छात्रों को यह एक बेहतर प्लेटफार्म देगी, जिसमें उनके पास कई विषय चुनने की आजादी होगी। स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले छात्र अपने विषयों के साथ ही रोजगारपरक विषयों का अध्यन कर सकेंगे। यह बातें अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका गर्ग ने कहीं। वह शुक्रवार को सीएसजेएमयू में नई शिक्षा नीति पर हुई संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि ऑनलाइन शामिल हुईं। चित्रकूट विवि के कुलपति प्रो. एनसी गौतम ने कहा कि कौशल विकास व नवांचार के विषय में काम करने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो. नीलिमा ने कहा, लोकल फॉर वोकल पर विवि का पूरा जोर है। विवि में बायोटेक लैब का उद्घाटन किया गया।

**आयोजन**

- सीएसजेएमयू में नई शिक्षा नीति पर हुई संगोष्ठी
- विश्वविद्यालय में हुआ बायोटेक लैब का उद्घाटन

## ऐसा कोर्स तैयार करें डिग्री से पहले मिले जॉब

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

नई शिक्षा नीति युवाओं को सिर्फ शिक्षित नहीं बल्कि हुनरमंद बनाएगी। अब स्नातक व परास्नातक में साल की पाबंदी नहीं, मल्टीपल एंट्री व एग्जिट होगी। मतलब पांच साल का स्नातक-परास्नातक होगा। एक साल पढ़ाई कर अगर छोड़ना पड़ा तो आपकी डिग्री बेकार नहीं होगी। विवि इसका सर्टिफिकेट प्रदान करेगा।

दो साल में डिप्लोमा, तीन साल में स्नातक की डिग्री, चार साल में स्नातक-रिसर्च की डिग्री और पांचवें साल में परास्नातक की डिग्री मिलेगी। अब स्नातक में भी रिसर्च को जोड़ा जा रहा है। कोर्स ऐसे तैयार किए जाएंगे, जिसमें कौशल विकास शामिल होगा।प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए 17 कमेटियां गठित की गई हैं, जो निरंतर अध्ययन कर रही हैं।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर शुक्रवार को ऑनलाइन व ऑफलाइन आयोजित सिंपोजियम में विशेषज्ञों ने ये बातें कहीं। इसका उद्घाटन अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका गर्ग, विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, चित्रकूट विवि के कुलपति प्रो. एनसी गौतम ने किया।

नई शिक्षा नीति - 2020 पर आॅन लाइन एवं आफ लाइन संगोष्ठी में मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग, एडीसनल चीफ सेक्रेटरी (हाॅयर एजुकेशन) ने नई शिक्षा नीति 2020 के विषय में बात करते हुए बताया कि, इसे लागू करना भारत सरकार का एक बड़ा लक्ष्य है। कम समय में इसे कैसे लागू करे जिससे भविष्य में आने वाले छात्रों का एक बेहतर प्लेटफाॅम उपलब्ध कराया जा सके। उ0प्र0 की तारीफ करते हुए उन्होनें कहा कि कोविड काल में आॅन लाइन शिक्षा को बढ़ावा देते हुए डिजिटल लाइबेरी मं उ0प्र0 के शिक्षकों के द्वारा लगभग 68000 ई-कन्टेन्ट अपलोड किया गया है जो प्रदेश के छात्रो के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। स्किल डवलेपमेन्ट एवं इन्नोवेशन के विषय में प्रो0 एन0सी0 गौतम ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करना है। वर्तमान समय परिवर्तन का है। नई शिक्षा नीति बहुत महत्वपूर्ण होगी, क्योकि हमारी वर्तमान शिक्षा में कौशल विकास की कमी है जिसके बगैर राष्ट्र का विकास सम्भव नहीं हैे। नई शिक्षा नीति से छात्रों में रिसर्च एवं इन्नोवेशन के माध्यम से नए-नए कौशल के आयाम मिलेगें। उन्होने वोकल फार लोकल पर बोलते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से नए-नए विचारों के उठाकर उन्हे पूरे देश के लोगो को बताया जा सकता है।

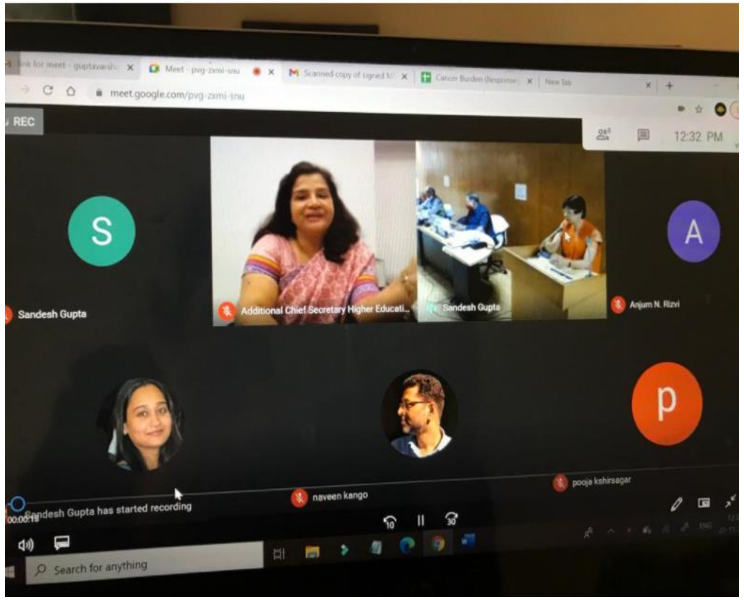

इस अवसर पर सी0एस0जे0एम0वि0वि0 ने भारत के तीन बड़े संस्थानों, जूलोजिकल सर्वे आॅफ इन्डिया कोलकत्ता, आई0सी0एम0आर0, नेशनल इन्स्टीट्यूट आॅफ रिसर्च इन एन्वायरोनमेन्टल हेल्थ भोपाल तथा डाॅ0 हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ;म0प्र0द्ध के साथ एम0ओ0यू0 साइन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डाॅ0 अनिल यादव एवं सभी संस्थानों के निदेशक एवं कुलसचिव के मध्य एम0ओ0यू0 साइन किया गया।

इस अवसर पर डायरेक्टर जैड0एस0आई0 कोलकत्ता डाॅ0 कैलाश चन्द्र ने कहा कि यह कानपुर विश्वविद्यालय का एक अहम प्रयास है जिससे वहाॅ के छात्र, हमारे साथ जीव, पर्यावरण एवं बायोटेक्नोलाॅजी विषय में रिसर्च कर सकेगें।

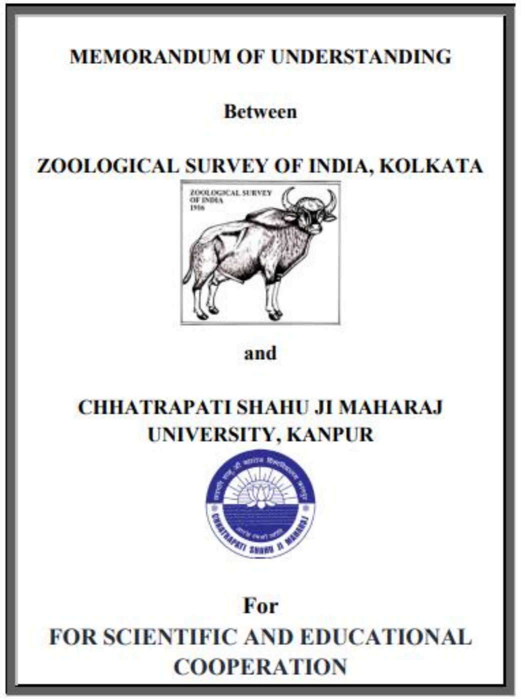

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

Between

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA, KOLKATA

and

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

For

FOR SCIENTIFIC AND EDUCATIONAL COOPERATION

अमर उजाला my city

# तीन संस्थानों के साथ मिल शोध करेंगे विवि के छात्र

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल यादव ने जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) कोलकाता, राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान भोपाल तथा डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के साथ एमओयू साइन किया है। इस एमओयू के तहत इन संस्थानों से मिलकर विवि के छात्र शोध और नवाचार का काम करेंगे।

निदेशक जेडएसआई डॉ. कैलाश चंद्र ने कहा कि इस एमओयू के तहत विवि के छात्र हमारे साथ जीव, पर्यावरण एवं बायोटेक्नोलॉजी विषय पर रिसर्च कर सकेंगे। यहां के छात्र व शिक्षक भी वहां जाएंगे। मिलकर शोध करेंगे। प्रो. आरआर तिवारी ने कहा कि विवि के छात्र हमारे संस्थान में पर्यावरण रिसर्च की ट्रेनिंग लेकर भविष्य में रिसर्च एवं इनोवेशन के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर सकते हैं।

डॉ. एनसी गौतम
कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोद्योग विवि

**जेडएसआई, राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान और हरि सिंह गौर विवि से एमओयू**

इससे पहले विवि की इंटरनल क्वालिटी इंश्योरेंस सेल ने नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी आयोजित की। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोद्योग विवि के कुलपति डॉ. एनसी गौतम ने कहा कि नई शिक्षा नीति से छात्रों को रिसर्च एवं इनोवेशन के माध्यम से कौशल के नए आयाम मिलेंगे। मुख्य अतिथि मोनिका एस गर्ग, अपर मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) रहीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. डीडी ओझा को लाइफ टाइम साइंटिफिक एचीवमेंट के लिए विज्ञान भूषण सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अनिल यादव, प्रो अंशु यादव, डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, प्रो संजय स्वर्णकार मौजूद रहे।

**मॉडर्न बायोटेक लैब का किया उद्घाटन**

सीएसजेएमयू की जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र की मॉडर्न बायोटेक लैब का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता और प्रो. एनसी गौतम ने किया। लैब में बायोटेक से जुड़ी सभी आधुनिक मशीनें हैं।

CS Scanned with CamScanner

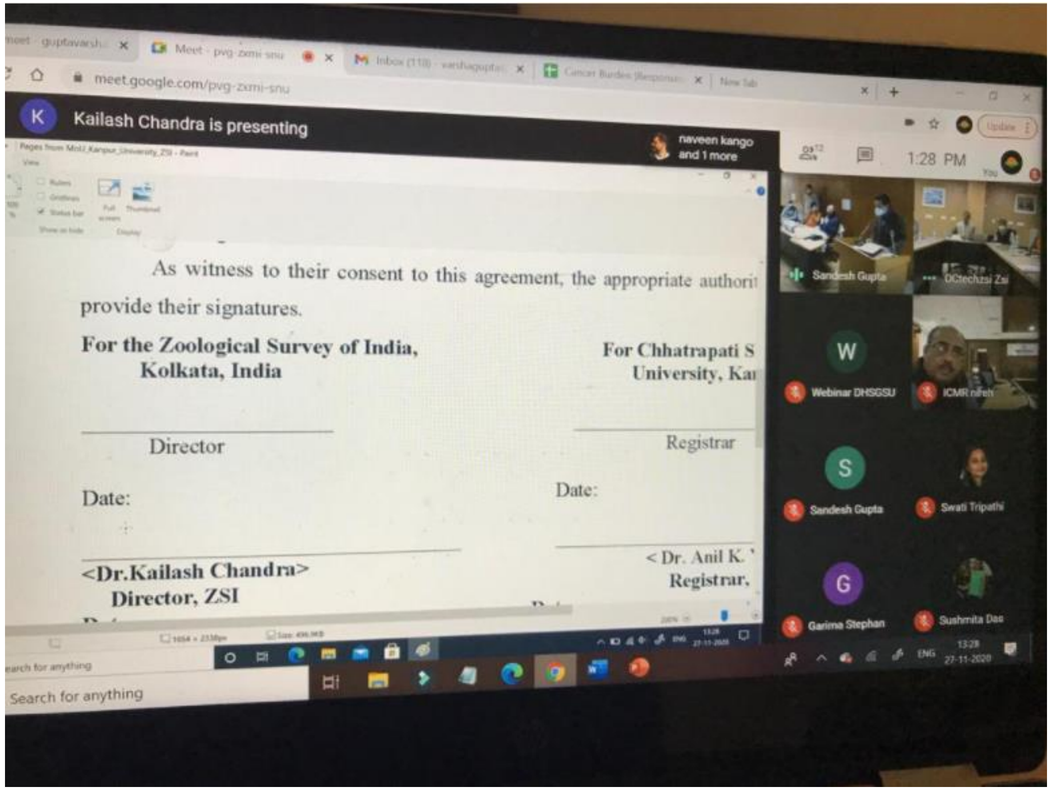

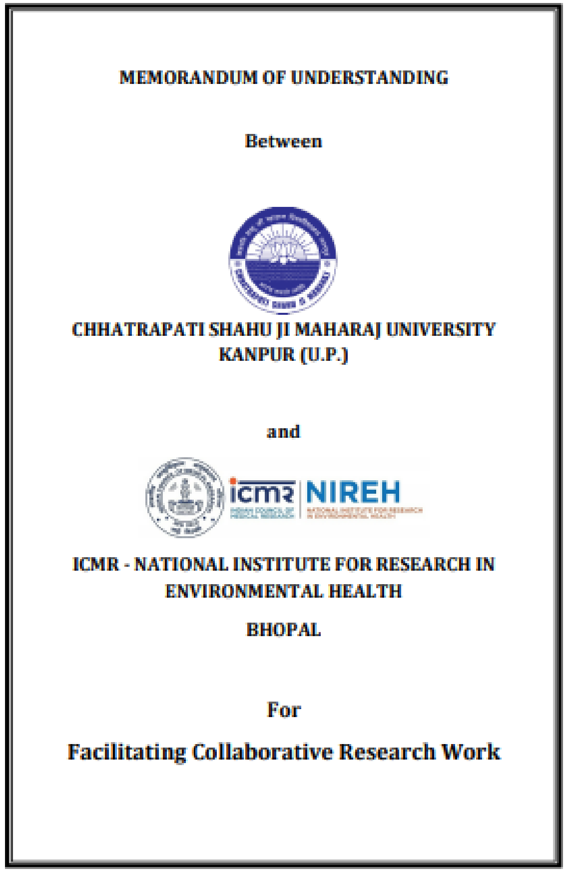
MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

Between

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KANPUR (U.P.)

and

ICMR - NATIONAL INSTITUTE FOR RESEARCH IN
ENVIRONMENTAL HEALTH
BHOPAL

For

Facilitating Collaborative Research Work

## MOU WITH NIREH, BHOPAL

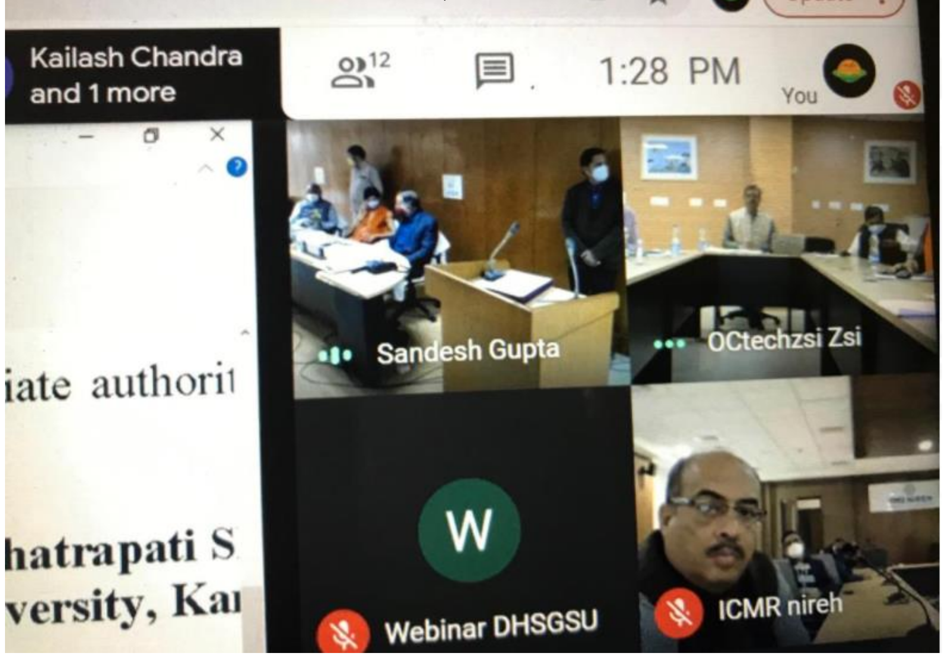


इस अवसर पर डायरेक्टर नेशनल इन्स्टीट्यूट आॅफ रिसर्च इन एन्वायरोनमेन्टल हेल्थ भोपाल के प्रो0 आर0आर0 तिवारी ने कहा कि कानपुर विश्वविद्यालय के छात्र हमारे संस्थान में पर्यावरण रिसर्च की ट्रेनिंग ले सकते जिससे भविष्य में रिसर्च एवं इन्नोवेशन के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर सकते हैं।

## MOU WITH DHGV, SAGAR

साथ डाॅ0 हरि सिंह केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 जनक दुलारी आही एवं रजिस्ट्रार श्री संतोष सोहगौर ने कहा कि हम देश के दो बड़े विश्वविद्यालयों के मध्य एम0ओ0यू0 साइन करके वहाॅ के छात्रों को रिसर्च करने के लिए प्रोत्साहित करेगें जिससे उनका भविष्य बेहतर बनेगा।

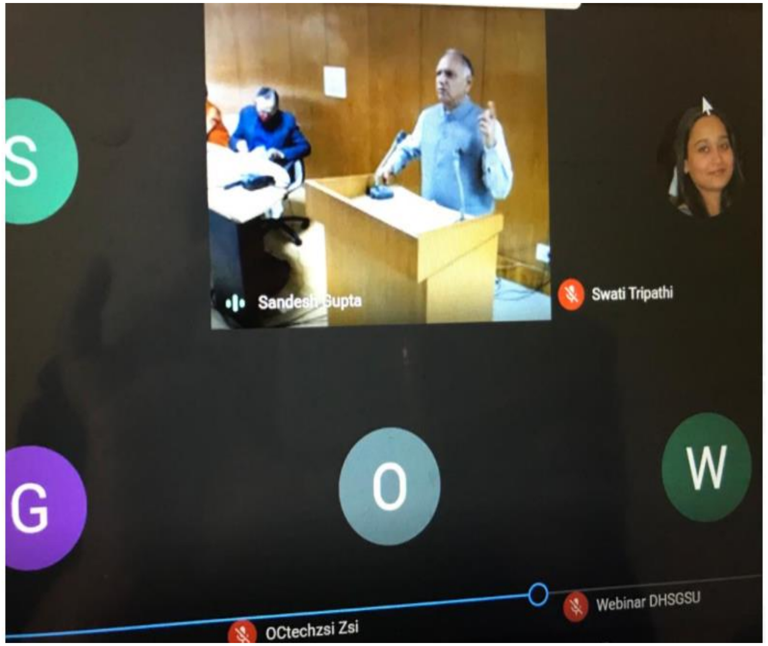


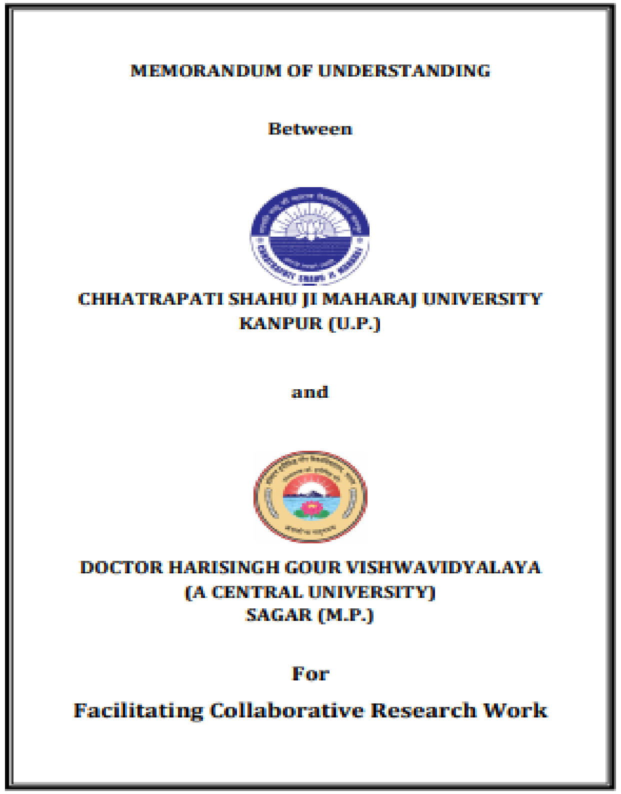
MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

Between

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KANPUR (U.P.)

and

DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA
(A CENTRAL UNIVERSITY)
SAGAR (M.P.)

For

Facilitating Collaborative Research Work

## FELICITATION OF
## HON'BLE VICE CHANCELLOR
# PROF. NEELIMA GUPTA

### FOR LIFE TIME SCIENTIFIC ACHIEVEMENT WITH VIGYAN BHUSHAN SAMMAN 2020
### BY EXECUTIVE COUNCIL OF VIGYAN PARISHAD, PRAYAG, JODHPUR

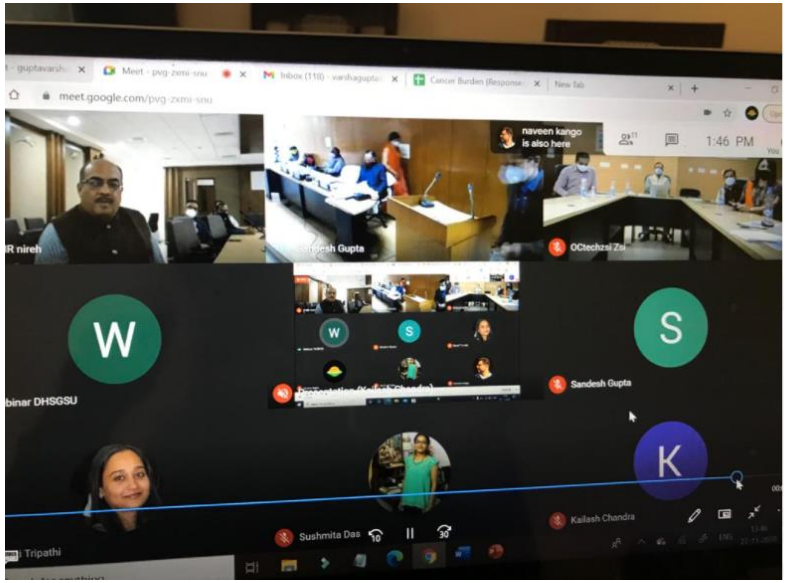

कार्यक्रम में सीनयर साईंटिस्ट प्रो0 डी0डी0 ओझा ने रिसर्च में हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होनें कहा कि हिन्दी में रिसर्च से यह ज्ञान पूरे देश के लोगो को जागरूक करेगा। उन्होने अपने संस्थान द्वारा माननीया कुलपति महोदया के उनके लाइफ टाइम साइंटिफिक एचिवमेन्ट के लिए विज्ञान भूषण सम्मान से सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव डाॅ0 अनिल यादव ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय निरंतर ऐसे प्रयास करता रहा है जिससे यहाॅं के छात्रो को बेहतर शिक्षा एवं शोध के अवसर प्रदान किये जा सकें।